Patrika (Indore), 28th October 2022, P-03

सामाजिक जरूरतों को समझकर विकसित करें समाधान : प्रो. जोशी

आइआइटी की 2022 बैच के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम

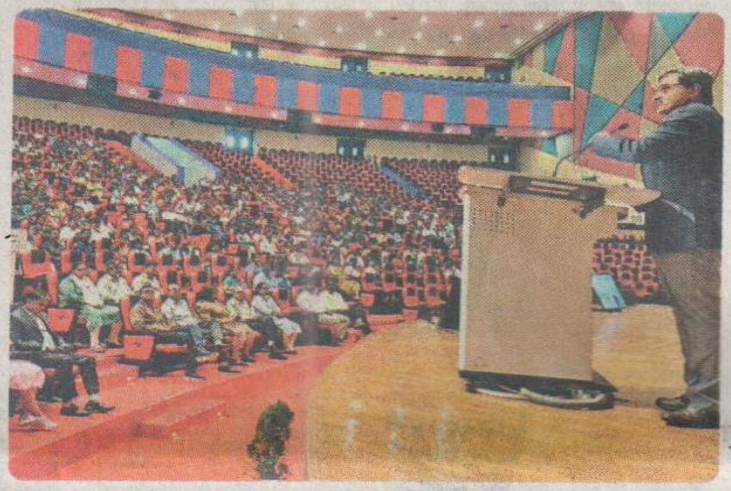

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी से जुड़ने के बाद आपको सामाजिक जरूरतों को समझना चाहिए। इसे अपनी मुख्य जिम्मेदारी के रूप में लें और समाधान विकसित करने के लिए नवीन विचारों के साथ आएं, जो पिरामिड के निचले हिस्से में रहने वाले लोगों के लिए फायदेमंद हो।

यह बात इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंदौर के डायरेक्टर प्रो. सुहास एस. जोशी ने कही। वे गुरुवार को 2022 बैच के विद्यार्थियों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रो. जोशी ने कहा कि विद्यार्थियों को कम से कम एक ऐसा प्रोजेक्ट लेना चाहिए, जो समाज की जरूरत पूरी करता हो। पढ़ाई के साथ फिटनेस भी जरूरी है। आइआइटी में रहने के दौरान कम से कम एक खेल चुनें। शुक्रवार को विद्यार्थियों को छात्र जीवन कौशल, शैक्षणिक, अनुसंधान और विकास, छात्र मामले, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट, नवाचार और ऊष्मायन, सुरक्षा और सुरक्षा आदि के संबंध में जानकारी दी जाएगी।

अभिभावक भी करें बच्चों को प्रेरित

प्रो. जोशी ने अभिभावकों से कहा कि आपको अपने बच्चे से नियमित रूप से सवाल करना चाहिए कि एक इंजीनियर के रूप में वे ऐसा क्या कर रहे हैं, जो समाज के लिए प्रासंगिक है? वे क्या नया सीख रहे हैं, जो निचले हिस्से में रहने वाले लोगों की मदद करेगा? आपके ये प्रश्न आपके बच्चे को अलग और रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रेरित करेंगे।

366 की बैच में 77 छात्राएं

2022 की बीटेक की बैच में 366 दाखिले हुए हैं। इनमें 77 छात्राएं हैं। कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में 82, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 84, मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 89, सिविल इंजीनियरिंग में 55 और मैटलर्जिकल इंजीनियरिंग में 56 विद्यार्थी हैं।